हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 169 | देहरादून, बुधवार, 27 दिसंबर, 2023 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 08

सीएम धामी ने किया नई टिहरी भ्रमण के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों में प्रतिभाग 3

व्यापारियों को 'प्रोत्साहन' 'प्रॉफिट' के साथ 'प्रोटेक्शन' भी मिला : मुख्यमंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

काशीपुर , 27 दिसंबर , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने काशीपुर, उधम सिंह नगर में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए प्रांतीय उद्योग व्यापार मंडल के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शपथ दिलवाई। मुख्यमंत्री ने प्रांतीय उद्योग व्यापार मंडल के सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देता हुए कहा कि आज सभी व्यापारियों से मिलने का सुअवसर प्राप्त हो रहा है। काशीपुर क्षेत्र से विशेष जुड़ाव है। व्यापारी राज्य एवं देश की अर्थव्यवस्था और वित्तीय शक्तियों की रीढ़ होने के साथ ही ब्रांड इंडिया के सच्चे राजदूत होते हैं। समाज, प्रदेश या राष्ट्र के विकास में व्यापारी वर्ग का योगदान स्वतः ही आ जाता है। व्यापारी वर्ग के योगदान के बिना श्रेष्ठ उत्तराखंड निर्माण का हमारा ''संकल्प'' पूर्ण नहीं हो सकता है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए ''वोकल फॉर लोकल'' के मंत्र को अपनाकर भारत के विकास में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। बीते 9 वर्षों में व्यापार, उद्यम, क्रिएटिविटी को साथ लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में एक नया विश्वास पैदा हुआ है। अपनी माणा गांव की यात्रा के दौरान पीएम ने लोकल उत्पादों पर 5% धनराशि खर्च करने का आग्रह किया था। इससे स्थनीय लोगों को रोज़गार मिलता है। विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में हर किसी का योगदान जरूरी है। नीतियों के माध्यम से देश में ऐसा माहौल बना है जिसमें सामान्य से सामान्य परिवार का युवा भी उद्यमी बनने के बारे में सोच सकता है और उसपर अमल भी हो रहा है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि हाल ही में ''ग्लोबल इन्वेस्टर समिट'' आयोजित कर देश-विदेश के साथ ही प्रदेश के व्यापारियों को निवेश के प्रति आकर्षित करने का प्रयास किया गया है। जिसमें 50 से अधिक देश के प्रतिनिधी भी मौजूद रहे। ग्लोबल इन्वेस्टर समिट में साढ़े

तीन लाख करोड़ रूपये से अधिक के एमओयू साइन हुए हैं। जिनमें से 44 हजार करोड़ से अधिक के एमओयू पर धरातल पर कार्य प्रारंभ हो चुके हैं।

उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में हम दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरे हैं। राज्य में भ्रष्टाचार मुक्त व भयमुक्त परिवेश में व्यापारी वर्ग पहले से कहीं अधिक स्वंय को सुरक्षित महसूस कर रहा है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाली डबल इंजन की सरकार में व्यापारियों को ''प्रोत्साहन'' और ''प्रॉफिट'' के साथ ही ''प्रोटेक्शन'' भी मिला है। केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा व्यापारी हितों में नए-नए कदम उठाए जा रहे हैं। पूरे देश में हर स्तर पर व्यापारियों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। आज राज्य के अंदर नई कार्य संस्कृति द्वारा सरलीकरण, समाधान, निस्तारण एंव सन्तुष्टि के मंत्र के आधार पर हमारी सरकार प्रदेश में पूर्ण सुशासन स्थापित करने के अपने ''विकल्प रहित संकल्प'' को पूर्ण करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

इस दौरान कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी, विधायक त्रिलोक सिंह चीमा, अध्यक्ष उत्तराखंड कृषि उत्पादन एवम विपणन बोर्ड डॉ.अनिल कपूर डब्बू, बीजेपी जिलाध्यक्ष गुंजन सुखीजा, बीजेपी प्रदेश मंत्री विकास शर्मा, प्रांतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल के प्रदेश अध्यक्ष नवीन वर्मा, महामंत्री पीसी मिश्रा, प्रदेश उपाध्यक्ष अश्वनि छाबड़ा, प्रदेश मीडिया प्रभारी दिलप्रीत सेठी, सभा अध्यक्ष अनिल गोयल एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

बाबा जोरावर सिंह, बाबा फतेह सिंह और माता गुजरी को श्रद्धांजलि : राज्यपाल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 27 दिसम्बर ,राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने वीर बाल दिवस के अवसर पर कहा कि आज वीर साहिबजादों के त्याग, बलिदान, शौर्य व पराक्रम की पराकाष्टा को याद करने का दिन है जिन्होंने अपने राष्ट्र धर्म और अपनी संस्कृति के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। उन वीर सपूतों ने हमें यह बताया कि एक समाज और राष्ट्र के लिए सर्वोच्च बलिदान किस प्रकार होना चाहिए। सर्वोच्च बलिदान का यह उदाहरण पूरी मानवता में अलग ही है। उन्होंने कहा कि नन्हें साहिबजादों ने क्रूर अत्याचारियों की बात नहीं मानते हुए सिख धर्म की उस महान परंपरा को आगे बढ़ाया जिसमें अन्यायी शासकों के सामने कभी न झुकने की महान शिक्षा दी है।

वीर बाल दिवस के अवसर पर राजभवन में संस्कृत विश्वविद्यालय के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल ने बाबा जोरावर सिंह, बाबा फतेह सिंह और माता गुजरी को श्रद्धांजलि अर्पित नमन किया। उन्होंने गुरु गोबिंद सिंह के महान बलिदानी पुत्रों की शहादत को वीर बाल दिवस के रूप में मनाये जाने की सोच के लिए प्रधनमंत्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने ऐसे योद्धाओं के बलिदान को चिरस्थायी बनाने का जो कार्य किया है उसे युगों-युगों तक याद किया जाएगा।

राज्यपाल ने कहा कि वीर बाल दिवस समरसता व सामाजिक एकता का प्रेरणापूंज है। उन्होंने कहा कि वीर बाल दिवस का संदेश पूरी दुनिया और मानवता को स्वाभिमानपूर्ण साहस और बलिदान से अवगत कराएगा। उन्होंने कहा कि यह दिवस राष्ट्र भक्ति के लिए करोड़ो बच्चों को प्रेरित करेगा। राज्यपाल ने कहा कि वीर साहिबजादों के बलिदान से हमें विषम परिस्थितियों में अपने आप को सयंमित रखने की सीख मिलती है। उन्होंने कहा कि सिख धर्म, धर्म ही नहीं बल्कि राष्ट्र प्रेम की भावना के साथ जीवन जीने की सभ्यता है। सिख धर्म ने पूरे भारत को एक भारत, श्रेष्ठ भारत का मार्ग प्रशस्त किया है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वीडियो संदेश के जरिये गुरु गोबिंद सिंह के चार वीर साहिबजादों को उनकी धर्म, निष्ठा, अनुकरणीय सहास और सर्वोच्च बलिदान के लिए कोटि-कोटि नमन करते हुए उन्हें अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति व धर्म की रक्षा के लिए दी गई इस शहादत जैसा दूसरा कोई उदाहरण शायद ही हमें कहीं और सुनने या देखने को मिलता हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि वीर बाल दिवस हमें याद दिलाता है कि धर्म, निष्ठा और शौर्य की पराकाष्टा के समय आयु मायने नहीं रखती यह दिन हमें चार साहबजादों विशेष रूप से उनके पुत्र

जोरावर सिंह और फतेह सिंह द्वारा छोटी सी आयु में सिख परंपरा और देश के स्वाभिमान के लिए दिए गए सर्वोच्च बलिदान के लिए याद दिलाता है।

उन्होंने कहा कि सभी सिख गुरुजनों ने हमेशा राष्ट्र को प्रथम रखते हुए पूरे राष्ट्र को एक सूत्र में फिरोने का कार्य किया है और पूरी दुनिया में मानवता की सेवा के लिए अपने निशान छोड़े हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरु गोबिंद सिंह जी के परिवार की शहादत को आज भी इतिहास की सबसे बड़ी शहादत माना जाता है। उन्होंने कहा कि कृतज्ञ राष्ट्र गुरु पुत्रों के बलिदान को सदेव स्मरण रखेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार विरासत और विकास दोनों को महत्व देती है इसलिए हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चार साहबजादों के सर्वोच्च बलिदान को सम्मान देते हुए देश भर में 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया है।

वीर बाल दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में हेमकुंड मेनेजमेंट ट्रस्ट के अध्यक्ष नरेंद्रजीत सिंह बिंद्रा और पंजाब विश्वविद्यालय के प्रो. दलजीत सिंह ने वीर साहिबजादो को याद करते हुए इस दिवस के महत्व पर अपने वक्तव्य रखे।

इस अवसर पर तरनजीत सिंह सेठी द्वारा वीर साहिबजादों पर आधारित शबद कीर्तन और कृत कौर द्वारा एक कविता सुनाई गई ।कार्यक्रम में संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश चन्द्र शास्त्री ने सभी उपस्थित गणमान्य लोगों का स्वागत किया। कार्यक्रम में कुलपति प्रो. दिनेश चन्द्र शास्त्री द्वारा एक वर्ष के दौरान किये गये कार्यों एवं उपलब्धियों से संबंधित कॉफी टेबल बुक ''आरोही'' का विमोचन राज्यपाल के द्वारा किया गया।

\वीर बाल दिवस के अवसर में विधि परामर्शी राज्यपाल अमित कुमार सिरोही, अपर सचिव राज्यपाल स्वाति एस. भदौरिया, तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ओंकार सिंह, वानिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. परविंदर कौशल, चिकित्सा शिक्षा विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. हेम चन्द्र, आयुर्वेदिक विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अरुण कुमार त्रिपाठी, प्रबंधक गुरुद्वारा रीठा साहिब बाबा श्याम सिंह, उपाध्यक्ष राज्य किसान आयोग श्री राजपाल सिंह, पंजाबी सिंह सभा और राष्ट्रीय सिंह संगत के सदस्यगण एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मस्ती बनी मुसीबत ! टूरिस्टों का हाल बेहाल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 27 दिसंबर , क्रिसमस और नए साल को लेकर लोग जश्न के मूड में हैं। इन दो खास मौकों पर पड़ने वाली लंबी छुट्टियां लोगों के लिए किसी तोहफे से कम नहीं है। ऐसे में लोग घूमने के लिए बाहर निकल गए हैं। हालात ऐसे हैं कि देश के कई हिस्सों में पर्यटक स्थलों पर कई किलोमीटर लंबा जाम लग गया है। लोग घंटों जाम में फंसे रहते हैं।

केवल होटल बुक करने वालों कर सकते नैनीताल में प्रवेश

क्रिसमस और नए साल का जश्न मनाने के लिए देशभर से पर्यटक नैनीताल और आसपास के इलाकों में पहुंचने लगे हैं। लेकिन नैनीताल आने वाले पर्यटकों को शहर में प्रवेश करने से पहले ही ट्रैफिक जाम की समस्या का सामना करना पड़ा। शहर के अंदर ट्रैफिक जाम से बचने के लिए पुलिस प्रशासन ने पर्यटक वाहनों को कालाढूंगी नैनीताल रोड और हल्द्वानी नैनीताल रोड पर रोक दिया है और उन्हें रूसी बाईपास से गुजारा जा रहा है। केवल उन्हीं पर्यटकों को शहर में प्रवेश दिया जा रहा है, जिनके पास पहले से ही होटल की बुकिंग है। ऐसे में कई पर्यटक चिंतित नजर आ रहे हैं।

जानें कहां पहुंची पर्यटकों की भीड़

औली में पर्यटकों की भारी भीड़ के कारण ट्रैफिक जाम की स्थिति पैदा हो गई है। औली में इस वक्त बर्फ पिघल चुकी है। लेकिन यहां पर्यटकों का तांता नजर आ रहा है। औली की चेयर लिफ्ट में सुबह से ही पर्यटकों की भारी भीड़ देखी जा रही है। पर्यटक अब लाइन में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं। हालांकि बर्फबारी न होने से पर्यटकों को निराशा भी हाथ लग रही है। इसके बावजूद चेयर लिफ्ट का आनंद लेने के लिए पर्यटकों की भीड़ औली की वादियों में पहुंच रही है।

हिमाचल में भी हाल यही है , गाड़ियों की लंबी कतारें लगनी शुरू हुई तो खत्म नहीं हो रही है। जानकारी के मुताबिक, क्रिसमस की पूर्व संध्या पर हिमाचल के शिमला और मनाली में बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंचे हैं। कसोल और जरी के अलावा, अटल टनल की ओर जाने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग पर, मनाली और वशिष्ठ चौक, आलू ग्राउंड से रांगड़ी और सोलंग नाला से अटल टनल के

बीच यातायात पूरी तरह से जाम है। हिमाचल की राजधानी शिमला और शोघी को जोड़ने वाले हाईवे पर भी जाम की सूचना है। दिल्ली, सोलन, चमोली, औली, नैनीताल में भीषण जाम है। ये मुसीबत नए साल तक जारी रहने की संभावना है।

सिर्फ 84 सेकंड में होगी रामलला की प्राण प्रतिष्ठा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 27 दिसंबर , अयोध्या में जिस मुहूर्त में प्राण प्रतिष्ठा हो रही है. उसका मुहूर्त अत्यंत शुभ है. मंदिर में पूजा पाठ और अलग- अलग कर्मकांड के अलावा प्राण प्रतिष्ठा के लिए सिर्फ 84 सेकंड का मुहूर्त है. काशी के जाने माने ज्योतिषाचार्य आचार्य पंडित गणेश्वर शास्त्री द्रविड़ ने बताया कि कर्मकांडी पं. लक्ष्मीकांत दीक्षित के आचार्यत्व में देश भर के 121 वैदिक ब्राह्मण प्राण प्रतिष्ठा मुहूर्त को संपन्न कराएंगे.

22 जनवरी 2024 को रामलला के प्राण प्रतिष्ठा होने वाला है। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के लिए केवल 84 सेकंड का अति सूक्ष्म मुहूर्त होगा, जिसमें रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होगी। राम मंदिर तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के लिए देश भर के विद्वानों और चोटी के ज्योतिषाचार्य से प्राण प्रतिष्ठा के समय को निर्धारित करने के लिए कहा था।इनमें से ज्योतिषाचार्य काशी पंडित गणेश्वर शास्त्री द्रविड़ द्वारा चुना गया मुहूर्त सबसे सटीक माना गया है और उसी दिन रामलला की स्थापना की जाएगी। ऐसा माना जाता है कि यह शुभ क्षण केवल 84 सेकंड तक है, यानी 12 बजकर 29 मिनट 8 सेकंड से 12 बजकर 30 मिनट 32 सेकंड तक रहेगा।

रामलला की स्थापना के लिए थी पांच तारीख

दरअसल, श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने रामलला की स्थापना के लिए कई तिथियों का चयन किया है। 17 से 25 जनवरी तक पांच तारीखें थीं, लेकिन ज्योतिषी पंडित गणेश्वर शास्त्री द्रविड़ ने शुभ तारीख और समय चुना। विद्वान ज्योतिषियों के अनुसार 22 जनवरी को अनेक वर्ण त्रुटियों से रहित शुभ समय है। यह तारीख और ये मुहूर्त अग्निबाण मृत्युबाण,चोरवाण, रोगवान और नृपवाण से मुक्त है।

राम मंदिर उद्घाटन में नेपाल भेजेगा विशेष वस्तुएं

नेपाल अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन समारोह के लिए विभिन्न प्रकार के आभूषण, बर्तन, कपड़े और मिठाइयां भेजेगा। इन वस्तुओं को भेजने के लिए जनकपुर धाम-अयोध्या धाम यात्रा का आयोजन किया जाएगा। जानकी मंदिर के संयुक्त महंत रामरोशन दास वैष्णव ने बताया कि यात्रा 18 जनवरी को शुरू होकर 20 जनवरी को समाप्त होगी और साथ लाई गई वस्तुएं उसी दिन श्री राम मंदिर ट्रस्ट को दे दी जाएंगी।

दूरसंचार व्यवस्था मजबूत करने में जुटी उत्तराखंड पुलिस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून,27 दिसम्बर, 2023 को अभिनव कुमार, पुलिस महानिदेशक, उत्तराखण्ड द्वारा पुलिस मुख्यालय स्थित सभागार में पुलिस दूरसंचार इकाई के कार्यों की समीक्षा की गयी, जिसमें श्री अमित सिन्हा, अपर पुलिस महानिदेशक, प्रशासन, वी गुरूगेशन, अपर पुलिस महानिदेशक, पुलिस दूरसंचार, सहित अन्य पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस दूरसंचार- कृष्ण कुमार वीके द्वारा उत्तराखण्ड पुलिस दूरसंचार इकाई की जनशक्ति, उपकरणों की वर्तमान स्थिति, चुनौतियों एवं भविष्य की योजना पर प्रस्तुतिकरण के माध्यम से प्रकाश डाला गया। अमित सिन्हा, अपर पुलिस महानिदेशक, प्रशासन द्वारा राजस्व क्षेत्रों से रेगुलर पुलिस क्षेत्र में आए क्षेत्रों में वायरलेस कनेक्टिविटी का पुनः चिन्हिकरण करने के निर्देश दिए। साथ ही ड्रोन सर्विलांस सिस्टम (एन्टी ड्रोन) तकनीक बनाने

पर जोर दिया, जिससे संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण स्थानों के आस-पास ड्रोन का समय से detection, identification and neutralization किया जा सके। वी गुरूगेशन, अपर पुलिस महानिदेशक, पुलिस दूरसंचार ने वायरलेस के analogue VHF कम्यूनिकेशन को डिजिटल कम्यूनिकेशन में अपग्रेड करने की कार्ययोजना पर प्रकाश डाला।

समीक्षा बैठक में पुलिस महानिदेशक द्वारा पुलिस दूरसंचार की प्रभावशीलता एवं दक्षता बढ़ाने निम्न दिशा-निर्देश दिये गये-

1. पुलिस दूरसंचार के उपकरणों के सम्बन्ध में BPR&D एवं अन्य राज्यों के मानकों का अध्ययन कर नियतन बनाया जाए।2. सीसीटीवी मॉनिटरिंग और सर्विलांस के लिए एक महत्वपूर्ण टूल है। जनपदों में स्थापित सभी सीसीटीवी कैमरों की फीड जनपद प्रभारी को एवं सम्बन्धित सर्किल के उनके क्षेत्राधिकारी को उपलब्ध कराएं। 3. जनपदों के कन्ट्रोल रूम को स्मार्ट कन्ट्रोल रूम में अपग्रेड करें।4. शान्ति एवं कानून व्यवस्था, यातायात प्रबन्धन, महत्वपूर्ण मेलों में भीड़ नियंत्रण आदि में ड्रोन का भी उपयोग करें।

महिलाओं के आंसू की गंध से मर्द पिघल जाते है!

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 27 दिसंबर , मीडिया में छपी एक खबर आपके लिए रोचक जानकारी के लिए साभार हमने पेश की है उम्मीद है आपको पसंद आएगी। अक्सर कहा जाता है कि महिलाओं के आँसू देखकर पुरुष पिघल जाते हैं। अब वैज्ञानिकों ने पता लगाया है कि इसका राज उनके आँसुओं के गंध में छिपा है। शोधकर्ताओं ने पाया है कि महिलाओं के आंसू सूंघने से पुरुषों में आक्रामकता से संबंधित मस्तिष्क की गतिविधि कम हो जाती है, जिससे आक्रामक व्यवहार में कमी आती है। इज़रायल में वीज़मैन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस ने अध्ययन किया, जिसमें पता चला कि मानव आंसुओं में एक रासायनिक संकेत शामिल होता है जो आक्रामकता से संबंधित दो मस्तिष्क क्षेत्रों में गतिविधि को कम कर देता है।

पीएलओएस बायोलॉजी पत्रिका में प्रकाशित अध्ययन में संस्थान की ब्रेन साइंस लैब से पीएचडी छात्र शनि एग्रोन के नेतृत्व में शोधकर्ताओं ने यह निर्धारित करने के लिए काम किया कि क्या आंसुओं का लोगों में आक्रामकता-अवरोधक प्रभाव उतना ही है जितना कि कृंतकों (चूहे आदि) में होता है। प्रयोगों की एक श्रृंखला में, पुरुषों को या तो महिलाओं के भावनात्मक आँसुओं और नमकीन पानी में से एक सूँघने के लिए दिया गया, बिना यह बताये कि वे क्या सूँघ रहे हैं।

इसके बाद, उन्होंने दो-खिलाड़ियों का खेल खेला जो एक खिलाड़ी में दूसरे के प्रति शत्रुतापूर्ण व्यवहार उत्पन्न करने के लिए डिज़ाइन किया गया था, जिसे धोखाधड़ी के रूप में चित्रित किया गया था। अवसर मिलने पर, पुरुष कथित धोखेबाज़ों से बदला लेने के लिए उन्हें पैसे का नुकसान करा सकते थे, हालाँकि उन्हें खुद कुछ हासिल नहीं होना था।

शोधकर्ताओं ने पाया कि महिलाओं के भावनात्मक आंसुओं को सूंघने के बाद, पूरे खेल के दौरान आक्रामक व्यवहार करने वाले पुरुषों के प्रतिशोध में 44 प्रतिशत या लगभग आधे की गिरावट आई। शोधकर्ताओं ने उल्लेख किया कि यह परिणाम कृंतकों में देखे गए प्रभाव के बराबर लगता है, लेकिन कृंतकों की नाक में एक संरचना होती है जिसे वोमेरोनसाल अंग कहा जाता है जो सामाजिक रासायनिक संकेतों को पकड़ता है।

हिंदी दैनिक
न्यूज़ वायरस

शहादत को सलाम : धामी

देहरादून , 27 दिसंबर , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जॉलीग्रांट एयरपोर्ट पहुंचकर जम्मू कश्मीर में माँ भारती की सेवा करते हुए अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले कोटद्वार निवासी राइफलमैन गौतम कुमार और चमोली के वीरेन्द्र सिंह के पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश की रक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले हमारे इन शहीदों को देश हमेशा याद रखेगा। राज्य सरकार हर पल सैनिक परिवारों के साथ खड़ी है। उन्होंने शहीद गौतम कुमार और वीरेन्द्र सिंह के परिजनों से बात कर ढांढस बंधाया। दिवंगत आत्माओं की शांति और दुःख की इस घड़ी में उनके परिजनों को धैर्य प्रदान करने की मुख्यमंत्री ने ईश्वर से कामना की है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र रक्षा के लिए हमारे जवानों द्वारा दिया गया बलिदान सदैव हम सभी को राष्ट्र सेवा के लिए प्रेरित करता रहेगा।

स्व. वाजपेयी के लिए राष्ट्रहित सर्वोपरि था : मुख्यमंत्री

देहरादून, 27 दिसंबर , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न, स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी जी की जयंती पर मुख्यमंत्री आवास में उनके चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी कुशल प्रशासक, राजनीतिज्ञ एवं लोकप्रिय जन नेता के साथ महान वक्ता थे, जिन्हें समाज के सभी वर्गों के लोग सम्मान देते थे। स्व. वाजपेयी के लिए राष्ट्रहित सर्वोपरि था। अटल जी उत्तराखण्ड राज्य के प्रणेता रहे हैं, उन्होंने न केवल उत्तराखण्ड राज्य का निर्माण किया बल्कि राज्य विकास के लिए आधार भी तैयार किए। स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की जयंती को सुशासन दिवस के रूप में मनाया जा रहा है।

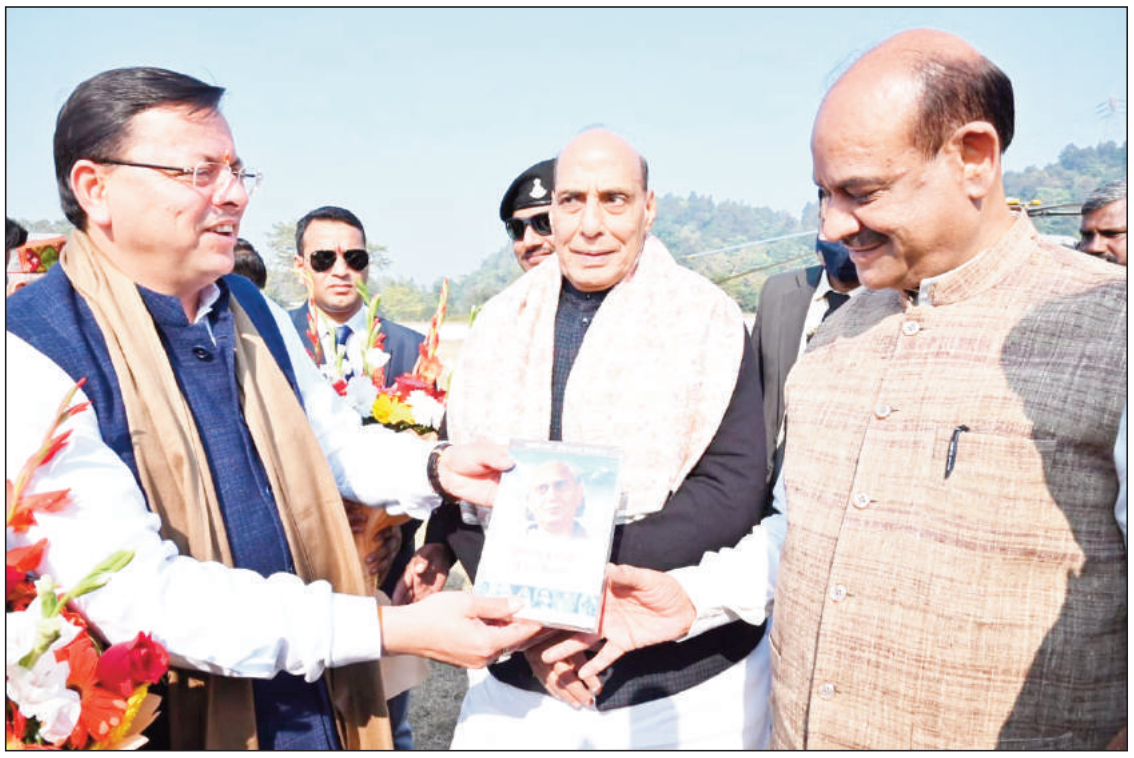

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला और केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के उत्तराखंड आगमन पर बी.एच.ई.एल हेलीपेड पर स्वागत किया एवं पुस्तक भेंट की।

सीएम धामी ने किया नई टिहरी भ्रमण के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों में प्रतिभाग

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को एक दिवसीय नई टिहरी भ्रमण के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों में प्रतिभाग किया। इस दौरान मुख्यमंत्री धामी 2 किमी लंबे विशाल रोड शो में शामिल हुए। रोड शो के दौरान हजारों की संख्या में स्थानीय जनता ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हजारों की संख्या में नई टिहरी पहुँचे स्थानीय जनता, महिला स्वयं सहायता समूहों, युवाओं और स्कूली छात्र-छात्राओं इस भव्य अभिवादन के लिए आभार प्रकट किया।

अपराध व अपराधियों के विरुद्ध एक्शन मोड में एसएसपी ऊधम सिंह नगर

काशीपुर क्षेत्र में हुए एटीएम लूट की घटना का किया खुलासा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

थाना हाजा पर दिनांक 19.12.2023 को समय रात्रि 02:22 बजे सिटी कन्ट्रोल के माध्यम से सूचना मिली कि चामुण्डा काम्पलेक्स स्थित एसबीआई ए०टी०एम० मशीन को कुछ संदिग्ध व्यक्ति काट रहें हैं । इस सूचना पर श्रीमान पुलिस अधीक्षक / क्षेत्राधिकारी काशीपुर, प्रभारी निरीक्षक व वरिष्ठ उप निरीक्षक, चौकी प्रभारी कटोराताल, रात्रि अधिकारी तत्काल मौके पर पहुचें, तब तक संदिग्ध व्यक्ति एटीएम मशीन को काट कर घटना स्थल से फरार हो चुकें थे तुरन्त समस्त बार्डर - प्रतापपुर, सूर्या, पैगा, लोहिया पुल तथा स्वार बार्डर को नाकाबंदी कराकर चैकिंग प्रारम्भ की गयी तथा कन्टोल रूम काशीपुर पहुंच कर घटना स्थल और उसके आस-पास के सभी कैमरों को चैक किया गया जिसमें कुछ संदिग्ध व्यक्ति एक सफेद स्कार्पियों बिना नम्बर की से चामुण्डा काम्पलेक्स स्थित एसबीआई ए०टी०एम० में आये और कुछ संदिग्ध व्यक्तिों के द्वारा सीसीटीवी कैमरों पर काले रंग का स्प्रे कर एटीएम का शटर तोड़कर उसके अन्दर घुसकर स्कार्पियों गाड़ी की मदद से एटीएम मशीन को उखाड़ कर स्कार्पियों गाड़ी में रखकर जाते दिखाई दिये । तथा उक्त स्कार्पियों सूर्या चौकी को पार करते हुये दिखाई दी ।

पुलिस कार्यवाही :श्रीमान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय के आदेशानुसार तत्काल घटना के अनावरण हेतु चार पुलिस टीमों जिसमें सीसीटीवी कैमरों के अवलोकन, सर्विलास टीम, थाना स्तर पर प्रभारी निरीक्षक के नेतृत्व में अन्य दो पुलिस टीमों का गठन कर अलग- अलग राज्यों में पतारसी एंव सुरागरसी हेतु रवाना किया गया तथा टैक्नीकल पुलिस टीम को घटना स्थल के आस-पास लगे समस्त सीसीटीवी कैमरों को अवलोकन करने हेतु निर्देशित किया गया तथा सर्विलास टीम को अन्य राज्यों में एटीएम चोरी की घटनाओं को गहनता से विशलेषण करने हेतु निर्देशित किया गया तथा पुलिस टीम के द्वारा घटना स्थल पर सफेद स्कार्पियों कार जो मुरादाबाद की तरफ को जाती दिखाई दी ।उक्त गाड़ी आगे-आगे सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से पीछा करने पर जनपद बागपत के बड़ौत थाना क्षेत्र के ग्राम कैराना के बाद यमुना नदी के पुल से पार होकर ग्राम बोंडा गांव तीतरवाड़ा, बुच्चा खेडी होते हुये नगला की ओर दिखाई दी उक्त वाहन के सम्बन्ध में मुखविर मामूर किये गये तो जानकारी प्राप्त हुयी कि इसी प्रकार की घटना उक्त स्कार्पियों से बदमाशों के द्वारा राजस्थान, मथुरा, दिल्ली, हरियाणा तथा रूडकी हरिद्वार में भी की गयी है तथा उपरोक्त बदमाशों को कई राज्यों की पुलिस भी तलाश कर रही है तथा अन्य राज्यों में एटीएम मशीन चोरी की घटनाओं का गहनता से विश्लेषण करने पर सभी घटनाओं को एक ही गिरोह के द्वारा उक्त गाड़ी में अलग-अलग नम्बर प्लेटों का प्रयोग करते हुये गिरोह के द्वारा घटना का अंजाम दिया गया। अब तक दिसम्बर माह में मात्र 10 दिवस के अन्तराल में उक्त गिरोह के द्वारा पांच राज्यों में विभिन्न स्थानों में एटीएम उखाड़ कर चोरी की गयी । कैराना क्षेत्र जिला शामली उत्तर प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में उक्त गाड़ी की अन्तिम फुटेज प्राप्त हुयी थी। मुखविर मामूर किये गये तो मुखविरों के द्वारा उक्त गाडी का असली नम्बर एचआर-60-डी-6950 प्राप्त हुआ। गाड़ी के मूल मालिक एंव मुखविरों के माध्यम से प्राप्त सूचना के अनुसार उक्त वाहन से घटना कारित करने वाले गैंग के सदस्यों का सहारनुपर क्षेत्र थाना गंगोह के होने के सम्बन्ध में जानकारी मिली। जिस सम्बन्ध में पुलिस टीमों के द्वारा पतारसी-सुरागरसी की गयी तथा 06 अभियुक्त गणों का उक्त घटना में संलिप्त होना पाया गया। सुरागरसी-पतारसी के दौरान पुलिस टीम के द्वारा अभियुक्तों के घरों पर सुरागरसी-पतारसी की गयी तो जानकारी हुयी कि दिनांक 24.12.2023 को अभियुक्त गण पुनः मुरादाबाद, उत्तराखण्ड की तरफ घटना करने आये है। जिस सूचना पर काशीपुर क्षेत्र में पुलिस टीमें गिरफतारी हेतु अलग-अलग स्थानों पर नियुक्त की गयी। आज उक्त गैंग के द्वारा काशीपुर क्षेत्र से पुनः एक व्यक्ति से लूट की घटना कारित की गयी। जिसकों पुलिस टीम के द्वारा काशीपुर कुण्डा क्षेत्र से गिरफतार किया गया ।

घटना का खुलासा - आज दिनांक 26.12.2023 को प्रभारी निरीक्षक काशीपुर के नेतृत्व में पुलिस टीमों के द्वारा बदमाश जो गैंग के रूप में इस प्रकार की घटना को अंजाम दे रहे थे तथा अपने ठिकानों पर नहीं रहते है बिना मोबाइल का प्रयोग कर घटना का अंजाम देते है को गिरफतार करने हेतु पुलिस टीमें। गठित की गयी थी कि दिन में एक व्यक्ति से उक्त गाडी में सवार अभियुक्त गणों के द्वारा लूट करने की सूचना पर पुलिस टीम के द्वारा उक्त गाड़ी का पीछा कर उसमें सवार तीन अभियुक्त गणों को गिरफतार किया गया है। जिनसें काशीपुर क्षेत्र में तोड़े गये एटीएम से निकाले गये पैसे तथा एटीएम तोड़ने के लिये प्रयुक्त औजारों सहित तमचे एंव लूटा हुआ पर्स बरामद किया गया है। बदमाशों के द्वारा बताया गया कि घटना के समय हम लोग मोबाइल का प्रयोग नहीं नम्बर प्लेट बदल कर राजस्थान, दिल्ली, मथुरा तथा रूढ़की हरिद्वार में घटना का अंजाम दिया गया है और घटना के बाद हम अपने ठिकानों पर नहीं रहते है उक्त गैंग के द्वारा विगत वर्षो मे कैथल हरियाणा सहारनपुर सदर थाना दिल्ली में एटीएम की घटना को अंजाम दिया गया है।

गिरफतार शुदा अभियुक्त गण1- नाजिम पुत्र कदीर निवासी ग्राम समसपुर कलॉ थाना सरसावा जिला सहारनपुर2- तासिम उर्फ काला उर्फ पहलवान पुत्र आशिक अली निवासी बेगीनाजर थाना गंगोह जिला सहारनपुर3- शमशुददीन उर्फ शम्शु पुत्र मौहम्मद हसन निवासी ग्राम शाहपुर चौकी दौलतपुर थाना गंगोह जिला सहारनपुर

बरामदगी का विवरण1- कुल तीन लाख बीस हजार रूपये काशीपुर2- घटना में प्रयुक्त सफेद स्कार्पियों गाड़ी3- एक अदद रस्सा मय पटटे के 4- दो अदद लोहे की छैनी5- एक अदद हथौड़ा6- दो अदद तंमचें 315 व 12 बोर मय जिन्दा कारतूस7- एक ब्लैक स्प्रे का डिब्बा 8- एक अदद लोहे का सब्बल10- कोटपुतली राजस्थान की घटना से बरामदा 20 हजार रूपये9- तोड़ा गया एटीएम11- थाना काशीपुर में एक व्यक्ति से लूटे गये पर्स 6300 / व आधार कार्ड आदि।

उत्तराखंड की ये हैं 5 बेस्ट डेस्टिनेशन वेडिंग लोकेशन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 27 दिसंबर , डेस्टिनेशन वेडिंग का काफी क्रेज देखने को मिल रहा है. लोग अपने अपने प्री-वेडिंग शूट के लिए भी अलग-अलग जगहों को चुन रहे हैं. यहां तक कि लोग इसके लिए विदेशों का रुख भी कर रहे हैं. ऐसे में उत्तराखंड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में पीएम मोदी ने 'वेड इन इंडिया' की अपील करते हुए कहा- 'कि लोगों को शादी इस पहाड़ी राज्य में करनी चाहिए. डेस्टिनेशन वेडिंग के हिसाब से उत्तराखंड की हसीन वादियां किसी जन्नत से कम नहीं हैं.'

अगर आप भी डेस्टिनेशन वेडिंग करने का प्लान कर रहे हैं तो आज इस लेख में हम आपको उत्तराखंड की कुछ ऐसी जगहों के बारे में बताएंगे जहां आप शादी कर सकते हैं. इन जगहों पर शादी करने का एक अलग ही एक्सपीरियंस आपको मिलेगा और खुशी भी दोगुनी हो जाएगी. तो चलिए जानते हैं...

1. औली (Auli)

उत्तराखंड के चमोली में स्थित ऑली वैसे तो एडवेंचर प्लेस है, लेकिन यहां पर माना पर्वत, कामत पर्वत, नंदा देवी, जैसी खूबसूरत और सुकून भरी जगहें भी हैं. यहां सर्दियों में वादियां बर्फ से ढकी रहती है. ऐसे में यहां नवंबर से फरवरी के बीच में शादी करना बेस्ट ऑप्शन है. यहां शादी करने के लिए लगभग 12 से 21 लाख रुपये लग जाते हैं.

2. मसूरी (Mussoorie)

देहरादून से ऊपर मसूरी में पुरानी दुनिया की सुंदरता झलकती है. इसे पहाड़ियों की रानी कहा जाता है. यहां हरी-भरी पहाड़ियां, र जेडब्ल्यू मैरियट जैसे शानदार स्थान शादी समारोह के लिए बेस्ट है. डेस्टिनेशन वेडिंग यहां अप्रैल से जून और फिर सितंबर से नवंबर के बीच होती है. यहां आप 20 से 45 लाख रुपए में शादी कर सकते हैं.

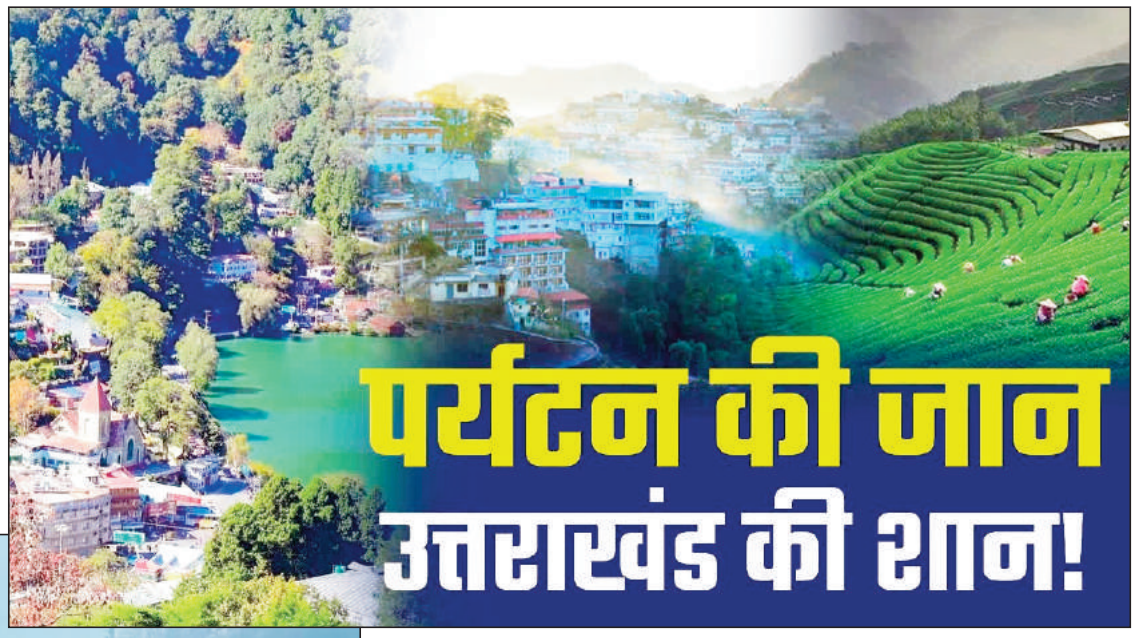

3. जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क (Jim Corbett National Park)

जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क शादियों के लिए एक अनोखी जगह है. यहां हरियाली और वन्य जीवन की पुकार भी गूंजती है. यहां शादी करके आप अपनी जींदगी की एक नई शुरुआत कर सकते हैं. डेस्टिनेशन वेडिंग यहां सर्वोत्तम समय जून से फरवरी के बीच रहता है. यहां शादी का खर्चा लगभग 1 से 15 लाख के बीच आता है.

4. त्रियुगीनारायण मंदिर (Triyuginarayan Temple)

उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में त्रिजुगीनारायण मंदिर स्थित है, जहां पूरे साल देश-विदेश से कपल शादी करने के लिए आते हैं. वैसे तो ये मंदिर भगवान विष्णु को समर्पित है, लेकिन इस जगह को शिव और पार्वती के विवाह स्थल के रूप में जाना जाता है. यहां शादी करने के लिए 1100 रुपए में रजिस्ट्रेशन करवाना पड़ता है और 40 हजार रुपए में सारा इंतजाम हो जाता है.

5. नैनीताल (Nainital)

पहाड़ों और मंदिरों के अलावा आप उत्तराखंड में शांत झील के पास भी शादी कर सकते हैं. नैनीताल एक रोमांटिक झील के किनारे शादी करने का बेस्ट ऑप्शन है. यहां आपको शांति मिलेगी और पहाड़ों का भी लुफ्त उठा सकेंगे. डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए यहां मार्च से जून और सितंबर से नवंबर का समय बेस्ट रहता है. प्राइज रेंज की बात करें तो ये 2 से 25 लाख के बीच हो जाता है.

क्या है विपश्यना ? कब करना है ध्यान जानिए पांच सिद्धांत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 27 दिसंबर , आज हम जानेंगे कि विपश्यना क्या है? यह लोगों के लिए कितना महत्वपूर्ण है? विपश्यना एक प्राचीन ध्यान पद्धति है, जिसका अर्थ है 'शून्य की ओर ध्यान' इसे आप आत्मनिरीक्षण एवं आत्मशुद्धि की सर्वोत्तम विधि भी कह सकते हैं. हजारों वर्ष पूर्व महात्मा गौतम बुद्ध ने इसी ध्यान विधि से परम ज्ञान प्राप्त किया था. इतना ही नहीं, उन्होंने अपने अनुयायियों को भी इसका अभ्यास कराया. इस पद्धति को महात्मा और योगी युगों-युगों से करते आ रहे हैं, जबकि महात्मा बुद्ध ने इसे सबसे सरल रूप में लोगों के सामने प्रस्तुत किया था. यह ध्यान विधि आपको स्वयं को जानने में मदद करती है.

यह प्राणायाम और साक्षीभाव का संयुक्त योग है. इस विधि में अपनी सांसों को महसूस करना यानी सांसों की गति को महसूस करना और उसके प्रति जागरूक रहने का अभ्यास किया जाता है. विपश्यना ध्यान के पांच सिद्धांत माने गए हैं. इसके मूल पांच सिद्धांत हैं जानवरों की हिंसा का पूर्ण निषेध, चोरी न करना, ब्रह्मचर्य का पालन करना, अपशब्दों का प्रयोग न करना और नशे से दूर रहना.

कब करना है ध्यान

इस ध्यान विधि को आप सुबह एक घंटा या शाम को एक घंटा कर सकते हैं. अगर आप दोनों समय बिताएंगे तो यह बहुत फायदेमंद साबित होगा. इसका अभ्यास आप सोने से पहले पांच मिनट और सुबह उठने के बाद भी पांच मिनट तक कर सकते हैं.

विपश्यना ध्यान कैसे करें

आप ध्यान की अवस्था में बैठें और अपनी सांसों पर ध्यान केंद्रित करें. इसे पूरी मानसिकता के साथ करें. सांसों के आने-जाने पर ध्यान केंद्रित करें. महसूस करें कि आपकी नासिका से सांस किस प्रकार अंदर जा रही है, रुक रही है और बाहर आ रही है. प्रारंभिक अवस्था में, चाहे आप उठ रहे हों, बैठ रहे हों, सो रहे हों, जाग रहे हों, बात कर रहे हों या चुप रह रहे हों, नासिका के माध्यम से सांस के आने और जाने को महसूस करें. ऐसा तभी तक करें जब तक आपका ध्यान केंद्रित रहे. इसे जबरदस्ती मत करो.

क्यों करते हैं विपश्यना

विपश्यना ध्यान वास्तव में मन की शांति, तनाव से पूर्ण मुक्ति और सभी प्रकार की मानसिक समस्याओं से राहत पाने के लिए किया जाता है. मन-मस्तिष्क को स्वस्थ रखने का यह अद्भुत प्रयास है. ऐसा करने से मन में नकारात्मकता नहीं आती है. मन में हमेशा शांति बनी रहती है जिससे शरीर भी स्वस्थ रहता है.

नैनीताल में इन खूबसूरत जगहों का करें दीदार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नैनीताल 27 दिसंबर : अपनी खूबसूरती के लिए नैनीताल देश ही नहीं बल्कि विदेश में भी प्रसिद्ध है। यदि क्रिसमस और नए साल के जश्न के दौरान नैनीताल पहुंचकर होटल में जगह नहीं मिले तो परेशान होने की जरूरत नहीं है। नैनीताल के आसपास भी कई पिकनिक स्पॉट हैं जहां आप नैसर्गिक सौंदर्य के साथ साहसिक पर्यटन का लुत्फ भी उठा सकते हैं।

1-काठगोदाम से मात्र 17 किलोमीटर दूर भीमताल झील के मध्य टापू में एक्वेरियम है। यहां कयाकिंग, कैनोइंग, जॉर्बिंग व हाट एयर बैलून आदि का लुफ्त उठाया जा सकता है। 2-भीमताल से चार किलोमीटर दूर नौकुचियाताल में ट्रैकिंग और नौकायन का आनंद उठाया जा सकता है। यहां लेक क्रासिंग भी सैलानियों को अपनी ओर आकर्षित करता है। 3-भीमताल से दस किलोमीटर दूर स्थित सातताल अपनी सात झीलों और घने जंगलों के लिए प्रसिद्ध है। यहां ट्रैकिंग, नौकायन व लेक क्रासिंग के अलावा बर्ड वाचिंग भी की जा सकती है।

4-नैनीताल से मात्र 11 किलोमीटर दूर भवाली क्षेत्र में आप गोल्ज्यू देवता मंदिर और बाबा नीब करौरी महाराज के कैंची धाम स्थित आश्रम में आसानी से पहुंच सकते हैं। 5-रामगढ़-भवाली से लगभग 15 किलोमीटर दूर रामगढ़ फल पट्टी के रूप में प्रसिद्ध है। यदि मौसम साफ हो तो गागर से आगे निकलते ही हिमालय की शृंखलाएं भी नजर आती हैं। 6-मुक्तेश्वर से नंदा देवी व त्रिशूल समेत हिमालय की कई चोटियों के दर्शन किए जा सकते हैं। यहां स्थित मुक्तेश्वर मंदिर में भगवान शिव के साथ ब्रह्मा, विष्णु, पार्वती, हनुमान और नंदी विराजमान हैं। 7-धानाचूली- यह एक छोटा सा गांव है जो प्राकृतिक सौंदर्य के लिए प्रसिद्ध है। यहां से भी हिमालय के दीदार किया जा सकते हैं। इन सभी पिकनिक स्पॉट के आसपास सैलानियों के ठहरने के लिए छोटे-बड़े होटल और रिजॉर्ट हैं। हल्द्वानी व काठगोदाम से इन स्थानों तक आसानी से पहुंचा जा सकता है।

CBSE की प्रैक्टिकल परीक्षाएं इस डेट से होंगी शुरू

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 27 दिसंबर , सीबीएसई 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षा 2024 में शामिल होने वाले स्टूडेंट्स के लिए बहुत ही जरूरी खबर है. केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की 10वीं और 12वीं की प्रैक्टिकल परीक्षाएं 1 जनवरी 2024 से 14 फरवरी 2024 के बीच होंगी. इस संबंध में बोर्ड ने नोटिस भी जारी किया है. बोर्ड ने स्कूल प्रिंसिपलों और शिक्षकों के लिए दिशा निर्देश भी जारी किया है. गाइडलाइंस सीबीएसई की आधिकारिक वेबसाइट cbse.gov.in पर जारी की गई है, जिसे चेक किया जा सकता है.

जारी गाइडलाइंस के अनुसार सीबीएसई ने स्कूलों को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा है कि प्रैक्टिकल परीक्षा के आयोजन की निर्धारित तिथि से पहले स्कूल में पर्याप्त संख्या में प्रैक्टिकल उत्तर पुस्तिकाएं प्राप्त हो गई हैं. सीबीएसई ने स्कूलों को अभिभावकों और छात्रों को प्रैक्टिकल परीक्षाओं के कार्यक्रम, प्रारूप और विशिष्ट आवश्यकता के बारे में सूचित करने का भी निर्देश दिया है.

स्कूलों को करने होंगे ये काम

साथ ही बोर्ड ने स्कूलों को यह भी सुनिश्चित करने के लिए कहा है कि प्रैक्टिकल परीक्षा आयोजित करने के लिए प्रयोगशालाओं में बुनियादी ढांचे, उपकरण और सामग्री जैसी आवश्यक व्यवस्थाएं उपलब्ध हैं. नोटिस में कहा गया है कि पुष्टि करें कि छात्रों को अपने प्रयोग करने के लिए प्रयोगशालाएं या सुविधाएं पर्याप्त रूप से स्थापित की गई हैं.नोटिस में सीबीएसई ने स्कूलों से परीक्षा प्रक्रिया के सुचारू और समय पर संचालन को सुनिश्चित करने के लिए परीक्षा से पहले समय पर परीक्षकों से संपर्क करने के लिए भी कहा है. वहीं बोर्ड ने स्कूलों से दिव्यांग छात्रों की पहचान करने और यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक व्यवस्था करने को कहा कि वे प्रैक्टिकल परीक्षाओं में आराम से शामिल हो सकें.

अपलोड करने होंगे नंबर

बोर्ड के अनुसार स्कूलों को प्रैक्टिकल परीक्षाओं ने नंबर प्रतिदिन अपलोड करने होंगे. अंक अपलोड करते समय, स्कूल, आंतरिक परीक्षक और बाहरी परीक्षक को सुनिश्चित करेंगे कि सही अंक अपलोड किए गए हैं या नहीं. प्रैक्टिकल/प्रोजेक्ट/आंतरिक मूल्यांकन के लिए दिए गए अधिकतम अंकों की जांच करें और फिर अंक प्रदान करें और अपलोड करें.

प्रैक्टिकल परीक्षा केवल बोर्ड द्वारा नियुक्त बाहरी परीक्षक द्वारा ही आयोजित की जा सकती है. प्रक्रिया को अंतिम रूप देने और पूरा होने के बाद अंकों में कोई बदलाव की अनुमति नहीं है, इसलिए अंक सही ढंग से अपलोड किए गए हैं यह सुनिश्चित करने के लिए परीक्षकों को अतिरिक्त सावधानी बरतनी होगी.

यहां बीवी के लिए खाते हैं मार! डंडों से पीटे जाते हैं मर्द

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 27 दिसंबर : दुनिया में कई ऐसे देश हैं जहां आज भी जनजातियां रह रही हैं जो अपनी अजीबोगरीब परंपरा की वजह से चर्चा में रहती हैं. ये परंपराएं भले ही दुनिया को अजीब लगें, पर उस जनजाति के लोग उन्हें आज तक मानते आ रहे हैं और उसी के अनुसार आचरण करते हैं. अफ्रीका में भी ऐसी कई जनजातियां आज भी रहती हैं जिनकी मान्यताएं हैरान करने वाली हैं. ऐसी ही ट्राइब है फुलानी जिसमें पत्नी हासिल करने के लिए मर्दों को दर्द झेलना पड़ता है।

एक रिपोर्ट के अनुसार नाइजीरिया में फुलानी नाम की एक जनजाति है जो पश्चिमी अफ्रीका के कई देशों में पाई जाती है. इस जनजाति में शारो नाम का एक उत्सव होता है जिसमें पुरुषों को मारा जाता है. वो भी सबके सामने. इस उत्सव में तय होता कि कौन से पुरुष को अपने मन मुताबिक पत्नी मिलेगी. यहां पुरुषों का मार खाना उनके लिए गर्व और सम्मान की बात समझी

जाती है।

इस उत्सव में अविवाहित पुरुष जमा होते हैं और फिर बड़े बुजुर्ग लकड़ी के डंडे से उनकी पिटाई करते हैं. इस बीच अन्य लोग और लड़कों के परिवार वाले उन्हें दर्शकों की तरह देखते हैं. परिवार वाले ये मनाते हैं कि लड़का मार खाने में असमर्थ ना रह जाए नहीं तो उसकी वजह से परिवार की नाक कट जाएगी. अगर लड़का दर्द के कारण मार नहीं झेल पाता तो उसे कमजोर माना जाता है और फिर लड़की के साथ-साथ उसके परिवार वाले उसे उपयुक्त वर नहीं मानते हैं।

मार खाने के पीछे कारण ये है कि वो जितना दर्द सहेंगे, उतना ही होने वाली पत्नी के लिए प्यार बढ़ेगा. माना जाता है कि दर्द झेलकर मर्द दिखाते हैं कि वो उस लड़की से बेहद प्यार करते हैं उसके लिए किसी भी हद तक का दर्द झेल सकते हैं. ऐसा सिर्फ एक लड़के के साथ नहीं, एक साथ कई लड़कों के साथ होता है. कई बार ये कंपटीशन किसी एक लड़की के लिए होता है. एक लड़की को पाने के लिए कई प्रतियोगी जुटते हैं और जो जीतता है, वो लड़की का दूल्हा बनता है, या फिर जीतने वाला लड़का अपने मन मुताबिक लड़की चुन सकता है. उनके शरीर पर जो घाव रह जाता है, उसे उनकी बहादुरी का प्रतीक माना जाता है. अब धीरे-धीरे ये मान्यता खत्म होती जा रही है. ये एक मुस्लिम जनजाति है और इनका मानना है कि इस्लाम में ऐसा करना हराम है।

डीएम सोनिका की अध्यक्षता में हुई जिला गंगा सुरक्षा समिति की बैठक

देहरादून। जिलाधिकारी सोनिका की अध्यक्षता में ऋषिपर्णा सभागार कलेक्ट्रेट में जिला गंगा सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी ने नगर निगम ऋषिकेश के अधिकारियों को गंगा घाट की सफाई तथा 72 सीढी को अतिक्रमण मुक्त रखने के निर्देश दिए। वन विभाग के अधिकारियों को इको टूरिज्म के प्रस्ताव बनाते हुए प्रस्तुत करने के निर्देश दिए साथ ही संजय झील के जीर्णोद्वार, खदरी खडग़माफ में जंगली जानवरों से सुरक्षा के दृष्टिगत निगरानी हेतु वाचटावरों के प्रस्ताव भेजने के साथ ही सम्बन्धित अधिकारियों को जलस्त्रोत के पुनर्जीवित करने हेतु स्थलीय निरीक्षण करने के निर्देश दिए। समिति के सदस्य पर्यावरणविद विनोद जुगलान द्वारा वीरभद्र से हरिपुरकला तक गंगा किनारे तटीय मैदानों को अतिक्रमण मुक्त रखने तथा इसके लिए जैविक खेती के उपयोग किये जाने के सुझाव दिए गए, जिस पर जिलाधिकारी ने भूमि पर अतिक्रमण न होने देने के निर्देश उप जिलाधिकारी ऋषिकेश को दिए तथा भूमि का उपयोग जैविक खेती में किये जाने हेतु प्रस्ताव बनाने की बात कही। बैठक में जिला विकास अधिकारी सुशील मोहन डोभाल, अध्यक्ष उद्योग ऐसोसिएशन पंकज गुप्ता, पर्यावरणविद विनोद जुगलान, एसएनए नगर निगम ऋषिकेश चन्द्रकान्त भट्ट, परियोजना प्रबन्धक एस.के वर्मा, अधि अभि सिंचाई दिनेश चन्द्र उनियाल सहित सम्बन्धित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बलिदान को नमन किया

कोटद्वार। श्री सिद्धबली मंदिर समिति के सदस्यों व पदाधिकारियों ने कश्मीर के पुंछ में आतंकी हमले में शहीद कोटद्वार निवासी सेना के जवान गौतम के बलिदान को नमन किया है। समिति की ओर से आयोजित शोक सभा में महंत दिलीप रावत ने कहा कि उनके बलिदान को हमेशा याद किया जायेगा। कहा कि मां भारती के इस लाल की शहादत को समिति बार-बार नमन करती है। मौके पर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखते हुए ईश्वर से पुण्य आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान देने की प्रार्थना की गई।

ये बीमारी होने पर लगती है बार-बार प्यास

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 27 दिसंबर : गर्मियों का मौसम शुरू हो चुका है. इस साल वक्त से पहले पड़ने वाली इस गर्मी ने लोगों पर कहर बरपाना शुरू कर दिया है. गर्मियों में गला सूखना और लगातार प्यास का एहसास होना काफी आम है. इसका सिंपल सा मतलब होता है कि आपके शरीर को पानी की जरूरत है ताकि, की समस्या से बचा जा सके.... वहीं, बार-बार गला सूखना और पानी की प्यास बहुत ज्यादा लगना किसी बड़ी बीमारी का संकेत हो सकता है....ऐसे में अगर आपको महसूस हो कि आपको पानी पीने के बाद भी बहुत ज्यादा प्यास लग रही है, और आप इस प्यास को कंट्रोल करने में असमर्थ हैं तो आपको डॉक्टर को जरूर दिखाना चाहिए.

यह समस्या होने पर डॉक्टर सबसे पहले डायबिटीज के टेस्ट के लिए बोलते हैं. क्योंकि यह समस्या डायबिटीज के आम लक्षणों में से एक है... लेकिन अगर आपका डायबिटीज टेस्ट ठीक है और इसके बावजूद भी आपको इस समस्या का सामना करना पड़ रहा है तो जरूरी है कि आप थोड़ा गहराई में जाकर सोचें और पता लगाएं कि ऐसा क्यों है.

बता दें कि पानी पीने के बावजूद भी बार-बार प्यास लगना आंत से जुड़ी किसी गंभीर बीमारी का संकेत हो सकता है....

बार-बार प्यास लगने का एक कारण आंत का कैंसर हो सकता है...

आंत आंत का कैंसर काफी धीमी गति से शरीर में बढ़ता है. इसके लक्षण काफी देर में नजर आते हैं. लेकिन अगर समय से पहले इसका पता चल जाए तो इस गंभीर बीमारी के खतरे से बचा जा सकता है. आंत का कैंसर होने पर कई लक्षण नजर आते हैं जैसे, दर्द, थकान महसूस करना, भूख कम लगना, वजन कम होना आदि. अगर ये कैंसर शरीर के बाकी हिस्सों में फैलता है तो यह हाइपरलकसीमिया का कारण बन सकता है... यह तब होता है जब डैमेज हड्डियों से कैल्शियम ब्लड में रिलीज होता है, इससे मरीज को काफी ज्यादा प्यास लगती है...

ऐसी कई चीजें हैं जो आपके जोखिम को बढ़ा सकती हैं, जिनमें शामिल हैं -

उम्र- 60 साल से अधिक उम्र के लोगों को इस बीमारी का सामना करना पड़ सकता है.डाइट- रेड और प्रोसेस्ड मीट खाना और लो फाइबर डाइट लेने से आंत के कैंसर का खतरा बढ़ सकता है.वजन- ओवरवेट और मोटे लोगों में आंत के कैंसर का खतरा औरों की तुलना में

ज्यादा होता है.शराब- शराब का सेवन अधिक करने वाले लोगों को आंत के कैंसर का खतरा ज्यादा होता है.फैमिली हिस्ट्री- जिन लोगों के माता-पिता को ये बीमारी हो चुकी है उनके बच्चों में भी इसके होने का खतरा काफी ज्यादा होता है...

सोशल अकाउंट पर न्यूड फोटो-वीडियो से रहे सावधान, ये है तरीका

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देश भर में इन दिनों डीपफेक का मुद्दा लगातार गरमाता जा रहा है। इससे सेलिब्रिटीज से लेकर आम लोग भी डीपफेक का शिकार बनते हैं। साइबर फ्रॉड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से लोगों की तस्वीरों का गलत इस्तेमाल करते है डीपफेक तस्वीरें और वीडियो बनाते हैं। इतना ही नहीं इसके बाद लोगों को उनकी न्यूड फोटो और वीडियो भेजकर ब्लैकमेल किया जाता है। जालसाज ऐसा करके लोगों को न्यूड वीडियो वायरल करने की धमकी भी देते हैं और उन्हें डिलीट करने के बदले मनमानी रकम मांगते हैं।

साइबर सेल में शिकायत दर्ज कैसे करें?

ऐसा होने के बाद बहुत सारे लोग डर जाते हैं और उन्हें समझ नहीं आता है कि अब क्या करें? अगर किसी ने आपका न्यूड वीडियो या फोटो बना लिया है और धमकी दे रहा हो तो आपको तुरंत साइबर क्राइम हेल्पलाइन की मदद लेनी चाहिए। भारत सरकार ने साइबर क्रिमिनल्स से निपटने के लिए क्राइम हेल्पलाइन पोर्टल बनाया है। इस पोर्टल पर जाकर आप अपनी शिकायत दर्ज कर सकते हैं।

– ब्लैकमेल करने वाले साइबर अपराधी के खिलाफ आप साइबर क्राइम पोर्टल पर जाकर शिकायत दर्ज कर सकते हैं।

– अपनी शिकायत दर्ज करने के लिए सबसे पहले आपको साइबर क्राइम हेल्पलाइन पोर्टल पर जाना होगा।

– इसके बाद रजिस्ट्रेशन प्रोसेस को फॉलो करें।

– इसके बाद अकाउंट बन जाने के बाद लॉगइन करें।

– अपनी शिकायत दर्ज करने के दौरान घटना की डेट और टाइम की डिटेल्स जरूर बताएं।

इसके बाद वीडियो और स्क्रीनशॉट्स लेकर उसे सबूत के आधार पर अपलोड करें।

कंप्लेंट स्टेटस कैसे चेक करें

साइबर क्राइम पोर्टल पर अपनी शिकायत दर्ज करने के बाद एक्नॉलेजमेंट नंबर जनरेट होगा। इसके बाद यहां आप आसानी से अपनी शिकायत का स्टेटस देख सकते हैं। इसके लिए आपको ट्रैक योर कंप्लेंट ऑप्शन पर क्लिक करना होगा। यहां एक्नॉलेजमेंट नंबर लिखने के बाद गेट ओटीपी पर टैप करें। आपके रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर एक OTP आएगा, उसे डालने के बाद सबमिट पर टैप करें। इसके बाद आपकी शिकायत का स्टेटस आ जाएगा।

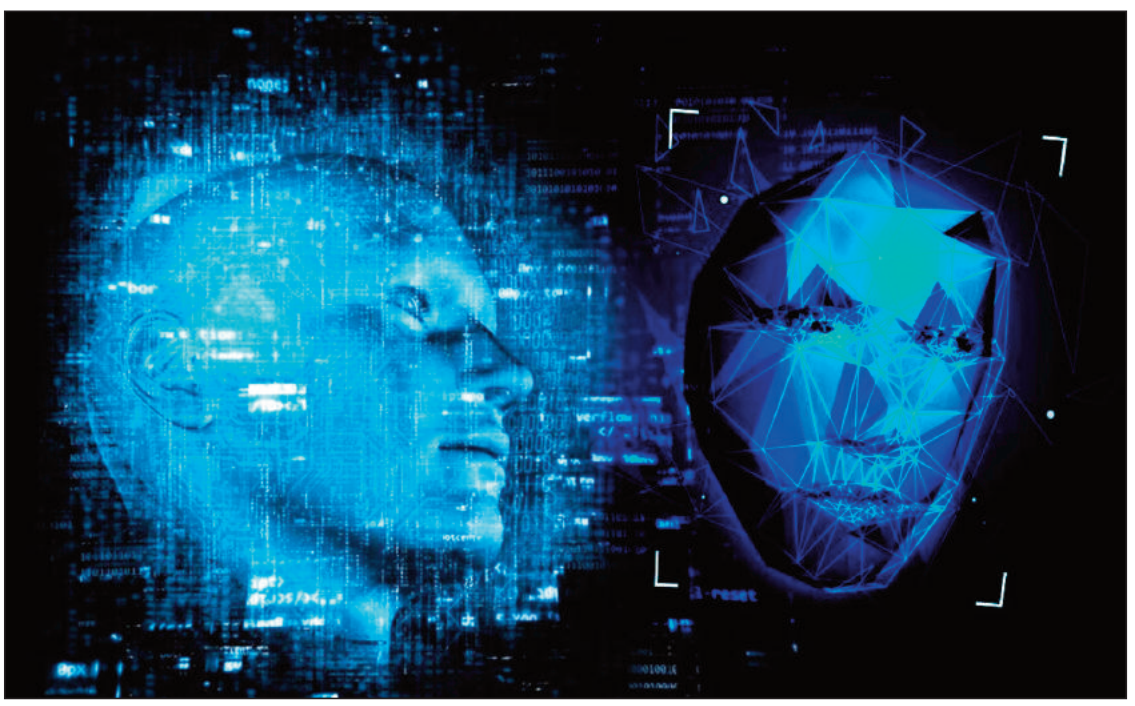

इंटरनेट से हटवाएं अपने न्यूड फोटो-वीडियो

अपनी न्यूड फोटो-वीडियो को इंटरनेट से हटवाने के लिए आप StopNCII.org वेबसाइट की सहायता ले सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले इस वेबसाइट पर जाकर अपना केस रजिस्टर्ड करना होगा। इसके लिए आपको फॉर्म में मांगी गई सभी जानकारी देनी होगी। इस कंपनी का दावा है कि वो बिना इजाजत के शेयर या अपलोड किए फोटो-वीडियो को इंटरनेट से हटा सकती है।

जीवन लंबा पर सेहतमंद नहीं. जीवन शैली से जुड़े मरीज हो गए दोगुने, रिसर्च

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 27 दिसंबर : कहने को तो अब हम ज्यादा जीने लगे हैं। बीते पांच दशक में हमारी औसत उम्र जीवन प्रत्याशा करीब 22 साल बढ़ गई है। लेकिन उम्र ज्यादा होने से स्वस्थ जीवन में कोई खास इजाफा नहीं हुआ। अब हम पहले के मुकाबले ज्यादा बीमारियों के साथ जीने लगे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की ताजा रिपोर्ट के हिसाब से बीमारों की देखभाल में तो भारत का प्रदर्शन पहले से अच्छा रहा है लेकिन जीवन शैली से जुड़े डायबिटीज जैसे रोगों ने नई चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। कभी पोलियो, खसरा, टीबी और एड्स से लड़ता रहा भारत आज डायबिटीज 'कैपिटल' बन गया है और 2025 तक सात करोड़ से ज्यादा लोग इससे ग्रसित होने के आसार हैं।

जीवन शैली के कारण होने वाली बीमारियों ने 35 साल तक की युवा आबादी को शहर ही नहीं, गांवों तक तेजी से अपनी गिरफ्त में लिया है और यह मौत का सबसे बड़ा कारण बन गई हैं। इसका असर कोरोना महामारी में साफ देखने को मिला, जिसमें जान गंवाने वाले आधे भारतीय पहले से ही डायबिटीज और हाइपरटेंशन जैसे रोगों के शिकार थे।

22 साल बढ़ी भारतीयों की उम्र, पर जीवन शैली से जुड़े रोगों के मरीज हो गए दोगुने

गैर संक्रामक रोगों से मरने वालों की तादाद हुई 50% :

दक्षिण एशिया क्षेत्र में काफी लोगों के जीवन का एक बड़ा हिस्सा खराब सेहत की भेंट चढ़ रहा है और गैर-संक्रामक (एनसीडी) रोग इसकी बड़ी वजह बनकर उभरे हैं। शोधकर्ताओं का कहना है कि भारत के स्वास्थ्य तंत्र पर 58 फीसदी रोग भार गैर-संक्रामक रोगों के कारण है, जो 1990 में 29 फीसदी था। एनसीडी के कारण अकाल मौतों की तादाद पहले सिर्फ 22 फीसदी थी, जो अब दोगुने से भी ज्यादा बढ़कर 50 फीसदी हो गई है।

वायु प्रदूषण, उच्च रक्तचाप और खराब भोजन मुख्य कारण2019 में एक शोध में पता लगा था कि देश में जान लेने वाले शीर्ष पांच कारणों में वायु प्रदूषण (16.7 लाख मौतें), उच्च रक्तचाप (14.7 लाख मौतें), तंबाकू (12.3 लाख), खराब भोजन (10.18 लाख) और उच्च ब्लड शुगर (10.12 लाख) शामिल हैं।

हम 70 साल जीने लगे, 10 हजार लोगों पर महज नौ डॉक्टर1970 में औसत उम्र 47.7 साल थी, जो 2020 में बढ़कर 69.6 साल हो गई है। डॉक्टर और नर्सों का अनुपात तुलनात्मक रूप से सुधरा है पर व्यापक रूप से हालात अभी कमजोर हैं। 10 हजार लोगों पर नौ डॉक्टर और 24 नर्सें ही हैं। इतने ही लोगों पर महज नौ फार्मासिस्ट हैं।

अच्छी नींद का फॉर्मूला, चैन से सोना है तो चिंताओं को लिखें

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 27 दिसंबर : दुनियाभर में नींद बड़ी समस्या बनती जा रही है, 8 में से एक इंसान अनिद्रा का शिकार है। रात में नींद न आने से दिन भी खराब हो रहा है और काम करने की क्षमता घट रही है 'द स्लीप प्रिस्क्रिप्शन' किताब के लेखक और कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी के मनोवैज्ञानिक कहते हैं, अच्छी नींद इंसान को दयालु और क्रिएटिव बनाती है। यही नहीं, यह अच्छा पेरेंट और बेहतर जीवनसाथी बनाने में भी मददगार है। पैंथर ने किताब में बिना दवा को अच्छी नींद के कई वैज्ञानिक तरीके बताए हैं।

समाधान नहीं, समस्या लिखना काफी दिन का कोई समय या सोने से पहले किसी निश्चित समय पर ऐसा करने से दिमाग पर वे परेशानियां सोते समय हावी नहीं होंगी। समस्या लिखिए, समाधान लिखने की जरूरत नहीं है। बेडरूम का इंटीरियर बदल सकते हैं एक ही जगह पर रोज एक ही तरीके से सोने से भी कई बार नींद नहीं आती। सोने की जगह नहीं बदल सकते तो दिशा बदल दीजिए कमरे का इंटीरियर बदल सकते हैं।

पौष्टिक और हल्का खाना खाएं शाम को पौष्टिक और हल्का नाश्ता करें। टहलने जाएं। गाना

सुनें। अपने बगीचे में पौधों के साथ समय बिताएं। किताबों की अलमारियां साफ करें। परिवार के सदस्यों या फिर अपने दोस्तों से बात करें। कमरे के तापमान का ख्याल रखें लैपटॉप-कम्प्यूटर बेडरूम में न रखें। सोते वक्त कमरे को ठंडा और अंधेरा रखें। तेज रोशनी सोने नहीं देती। स्लीप मास्क का इस्तेमाल करना फायदेमंद हो सकता है।

दिमाग को लैपटॉप की तरह मत ट्रीट कीजिए। सोने के लिए दिमाग का शांत होना जरूरी है। काम खत्म होने के बाद खुद को समय दीजिए। अपने पसंदीदा पुराने टीवी शो देखिए। अगर बिस्तर पर जाने के 20 मिनट तक नींद न आए तो उठ जाइए। घर में या छत पर टहलिए। किताबें पढ़िए। चाय-कॉफी से दूरी बनाएं। कम से कम सोने के 6 घंटे पहले तो कोशिश करें कि न ही पीएं।

उत्तराखंड : सर्दियों में जंगलों को आग से बचाने को एडवाइजरी जारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 27 दिसंबर : बीते वर्षों की तरह इस बार भी प्रदेश में सर्दियों की शुरुआत में जंगलों में आग लगने की घटनाएं सामने आ रही हैं। इसका प्रमुख कारण बारिश का नहीं होना, खरपतवार को जलाना बताया जा रहा है। इस संबंध में वन मुख्यालय की ओर से सभी वन प्रभागों को एडवाइजरी जारी की गई है। प्रदेश में पर्वतीय जिलों टिहरी, उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग चमोली सहित कुमाऊं के कुछ हिस्सों में जंगल में आग लगने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं।

वन विभाग ने इसे संजीदा से लेते हुए 28 बिंदुओं पर एडवाइजरी जारी की है। इसमें बीते वर्षों की घटनाओं को देखते हुए वनाग्नि के समुचित उपाय करने के निर्देश जारी किए हैं। इसके साथ ही फायर लाइन काटने के भी निर्देश दिए गए हैं। मुख्य वन संरक्षक,वनाग्नि और आपदा प्रबंधन निशांत वर्मा ने बताया कि प्रदेश में भारतीय वन सर्वेक्षण (एफएसआई) की ओर से वनाग्नि के अलर्ट मिले हैं। प्रभागों में डीएफओ और रेंज अधिकारियों की ओर से इनका भौतिक सत्यापन कराया जा रहा है। इसके अलावा एक्शन टेकन रिपोर्ट भी मांगी जा रही है।

उन्होंने बताया कि कुल मामलों में नाम खेतों में खरपतवार की वजर से जंगल में आग लगने की बात सामने आई है। उन्होंने बताया कि सभी डीएफओ को प्रमुख वन संरक्षक (हॉफ) की ओर से एडवाइजरी जारी कर दी गई है। कर्मचारियों को तत्परता से आग बुझाने के निर्देश दिए गए हैं। बता दें कि उत्तरकाशी में जंगल में आग लगाने के आरोप में कुछ अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज की गई है।

उत्तराखंड कांग्रेस ने मांगा मुख्यमंत्री धामी का त्यागपत्र

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 27 दिसंबर , उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष करन माहरा ने एनसीआरबी की ताजा रिपोर्ट और अंकिता भण्डारी हत्याकांड में साक्ष्य और सबूत मिटाने के गंभीर आरोप लगाते हुए तत्काल प्रभाव से इस्तीफा देने की मांग की है। महारा ने कहा कि एनसीआरबी की ताजा रिपोर्ट के अनुसार उत्तराखंड ने सभी हिमालय राज्यों को महिला अपराध के क्षेत्र में पीछे छोड़ दिया है। महारा ने कहा की राज्य को शर्मसार करने वाले आंकड़े सामने आए हैं।रिपोर्ट के अनुसार उत्तराखंड में लगभग प्रति वर्ष 905 महिलाओं से दुष्कर्म व 778 का अपहरण हुआ है। अगर देश की बात करें तो देशभर में अपहरण के मामले व महिला अपराध में उत्तराखण्ड छठे पायदान पर है और एनसीआरबी के ताजा रिपोर्ट के के अनुसार 9 पहाडी राज्यों में उत्तराखण्ड दुष्कर्म के मामलों में पहले स्थान पर है। उन्होंने उत्तरकाशी में चार अनुसूचित जाति की नाबालिग बच्चियों के साथ हुए बलात्कार का जिक्र करते हुए कहा कि सरकारी घोषणा के बावजूद आज तक उन महिलाओं को मुआवजा तक नहीं मिला।

करन माहरा ने एनसीआरबी की ताजा रिपोर्ट पर जताई चिंता

उन्होंने अंकिता भण्डारी के मामले में बोलते हुए कहा कि सरकार व प्रशासन द्वारा अंकिता भण्डारी की जिस रिजोर्ट में हत्या की गई थी उस रिजोर्ट को बिना छानबीन के बुलडोजर से ध्वस्त करते हुए आग लगा दी गई थी। उन्होंने कहा कि स्वयं मुख्यमंत्री ने ट्विटर पर बयान के माध्यम से कहा कि बुलडोजर हमने चलवाया जो कि गंभीर अपराध है। उन्होंने जोर देकर कहा कि अंकिता भंडारी हत्याकांड में सबूतो और साक्ष्यों को मिटाने के अपराध में मुख्यमंत्री, वर्तमान पुलिस महानिदेशक तत्कालीन एसडीएम, विधायक रेनु बिष्ट पर धारा 201 एवं 102 बी के तहत मुकदमा दर्ज होना चाहिए। उन्होंने कहा कि यही नहीं पौड़ी पुलिस द्वारा कहा गया था कि बुलडोजर चलाने से अंकिता के केस पर कोई फर्क नही पड़ेगा। उन्होंने कहा कि सबूत मिटाने के लिए रिजॉर्ट में दो बार आग लगवा दी गई ताकि सभी सबूत नष्ट हो सकें।उन्होंने कहा की यह संगीन अपराध है, आंखिर सरकार किसको बचाना चाहती है। यह गंभीर मामला है इसकी व्यापक जांच होनी चाहिए और जांच प्रभावित न हो पाए इसलिए प्रदेश के मुख्यमंत्री को अपने पद से त्याग पत्र देना चाहिए।

करन माहरा ने कहा कि अंकिता हत्या काण्ड में एक नया मोड़ आया है कि बुलडोजर चलाने वाले ड्रायवर ने कोर्ट में साफ कहा कि विधायक रेनु बिष्ट और तत्कालीन एसडीएम के आदेश के बाद डोजर चलाया गया था। स्वयं मुख्यमंत्री ने अपने ट्विटर के माध्यम से स्वीकार किया है कि डोजर चलाने का आदेश हमने दिया है, वर्तमान पुलिस महानिदेशक द्वारा भी एक न्यूज एजेंसी को दिए बयान में मुख्यमंत्री के आदेश पर बुलडोजर चलाने की बात स्वीकार की गई हालांकि बाद में कानूनी सलाह पर दोनो के ट्विटर हैंडल से ये पोस्ट हटा दी गई, पर उत्तराखंड कांग्रेस ने दोनों ही पोस्टों के स्क्रीनशॉट संभाल कर रख लिए थे। उन्होंने कहा कि कब तक महिलाओं और दलितों के साथ अत्याचार होता रहेगा।

इतना ही नहीं करन महारा ने हल्द्वानी में एक के बाद एक हुए प्रकरणों पर सरकार को घेरा ऋषिकेश में विनीता भंडारी की 13 दिन बाद मिली जली हुई लाश ,उत्तरकाशी के रिसोर्ट में फांसी के फंदे से लटका अमृता रावत का शव , हल्द्वानी के मूकबधिर और दृष्टिबाधित संस्थान में 113 नाबालिग बच्चों के साथ यौन शोषण, हल्द्वानी के ही कारागार में मिले 55 एचआईवी पॉजिटिव लोगों को लेकर सरकार को आड़े हाथों लिया। महारा ने प्रेस वार्ता के माध्यम से मांग करी की अंकिता भंडारी हत्याकांड की व्यापक जांच होनी चाहिए उपरोक्त चारों व्यक्तियों पर जिन्होंने साक्ष्य सबूत मिटाने का गंभीर अपराध किया है उन पर धारा 201 और 120 बी के तहत मुकदमा दर्ज होना चाहिए और मुख्यमंत्री को तत्काल प्रभाव से इस्तीफा देना चाहिए।

संपादकीय

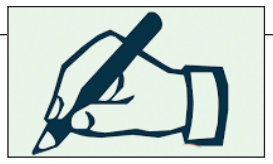

यूपी-बिहार को गाली

बशक द्रमुक नेता दयानिधि मारन ने चार साल पहले उप्र और बिहार का अपमान किया था। उन्होंने कहा था कि इन राज्यों के लोग शौचालय और सडक़ साफ करने के लिए तमिलनाडु आते हैं। वे बुनियादी तौर पर निर्माण-मजदूर हैं। मुख्यमंत्री स्टालिन ने हिंदी-विरोध में आपत्तिजनक बयान दिया है। उनके मंत्री-पुत्र ने 'सनातन' को खत्म करने का आह्वान किया था। कुछ द्रमुक सांसदों ने सनातन को डेंगू, एड्स और कोढ़ आदि करार दिया था। एक सांसद ने तो लोकसभा में बयान दे दिया था कि भाजपा सिर्फ 'गोमूत्र वाले राज्यों' में ही चुनाव जीतती है। यह दीगर है कि उन्होंने अपने बयान पर माफी मांगी और उसे वापस लिया। भारत की आजादी के 76 साल बाद भी 'उत्तर बनाम दक्षिण' के गालीनुमा बयान सुनने को क्यों मिलते हैं? यदि उप्र, बिहार बनाम तमिलनाडु के बीच विभाजन और नफरत की दरारें हैं, तो भारत विविधताओं वाला देश कहां है? वाराणसी में 'काशी तमिल संगमम' के आयोजन क्यों होते रहे हैं? दक्षिण भारतीय लोग दिल्ली और हिंदी पट्टी के क्षेत्रों में काम क्यों करते हैं? बसे हुए क्यों हैं? क्या भारत एक संप्रभु और संगठित देश नहीं है? दयानिधि मारन केंद्रीय मंत्री रहे हैं और अब लोकसभा सांसद भी हैं। उन्हें उत्तर भारत में यह संवैधानिक और अति विशिष्ट रुतबा क्यों हासिल है? दरअसल उनका पुराना बयान नए सिरे से प्रासंगिक हो गया है, क्योंकि उनकी द्रमुक पार्टी विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की घटक है। उप्र और बिहार को शौचालय साफ करने वालों के राज्य चित्रित करने पर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, राजद प्रमुख लालू यादव और उप्र के पूर्व मुख्यमंत्री एवं सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव आदि खामोश क्यों हैं? हकीकत यह है कि यदि उप्र और बिहार के मानव संसाधन देश के दूसरे राज्यों में न जाएं, तो बहुत कुछ निष्क्रिय हो सकता है। कारोबार और फसलों की कटाई के काम ठप्प हो सकते हैं। कई संदर्भों में हुक्का-पानी तक बंद हो सकता है। शौचालय साफ करने और सडक़ निर्माण करने वाले मजदूरों के राज्यों का यथार्थ यह है कि उप्र से 13.5 फीसदी और बिहार से 8.5 फीसदी आईएएस अधिकारी देश को मिलते हैं। ये सर्वाधिक आंकड़े हैं। तमिलनाडु में करीब 1.5 करोड़ उत्तर भारतीय बसे और काम करते हैं। वहां की सरकार में भी उच्च और मझोले स्तर के अधिकारियों की संख्या भी ज्यादातर उत्तर भारतीयों की है।तमिलनाडु में अकेले बिहार से ही 25 से अधिक आईएएस और आईपीएस अधिकारी सेवारत हैं। तमिलनाडु के नेताओं को अपने सामाजिक-आर्थिक विकास और समझदारी का परिचय देते हुए उप्र और बिहार की अर्थव्यवस्था को भी समझना चाहिए। दोनों राज्यों की कुल जीडीपी 33 लाख करोड़ रुपए से अधिक है, जबकि तमिलनाडु की करीब 28 लाख करोड़ रुपए है। दरअसल देश का संविधान ऐसी गाली, नफरत और भेदभाव की अनुमति नहीं देता। उप्र, बिहार और तमिलनाडु भारत गणराज्य के ही हिस्से हैं। वे एक ही लोकतांत्रिक परिवार के सदस्य हैं।

दैनिक न्यूज़ वायरस
संपादक : मौ.सलीम सैफी, **कार्यकारी संपादक :** आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002, **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094
Cert. Ser. No. : 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com
Website : www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

हेलीकॉप्टर से तस्करी चमोली पुलिस का खुलासा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

चमोली 27 दिसंबर : पुलिस अधीक्षक चमोली रेखा यादव (IPS) के कुशल नेतृत्व में चमोली पुलिस का नशा तस्करों के प्रति लगातार अभियान जारी है। जनपद चमोली को नशा मुक्त करने की पुलिस अधीक्षक चमोली की मुहिम को लेकर चमोली पुलिस लगातार प्रयास कर रही है, जनपद के पुलिस उपाधीक्षकों एवं सभी थाना प्रभारियों/एसओजी को नशीले पदार्थ का अवैध तरीके से कारोबार करने वाले एवं युवाओं को नशे की ओर धकेलने वालों के प्रति सघन चैकिंग अभियान चलाकर कठोर कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया है। जिसके क्रम में दिनांक 24/12/2023 को चौकी गौचर द्वारा चैकिंग अभियान चलाते हुए एक व्यक्ति आलोक थपलियाल पुत्र राजेंद्र प्रसाद थपलियाल निवासी वार्ड नंबर 7 द्रोणागिरी गौचर उम्र 31 वर्ष को गौचर हवाई पट्टी के पास से 07.05 ग्राम अवैध स्मैक के साथ गिरफ्तार किया गया।

पूछताछ में अभियुक्त द्वारा बताया गया कि वह देहरादून से हेलीकॉप्टर से गौचर में स्मैक लाता है, जिसे वह गौचर में रेलवे कंपनी में युवाओं को ऊंचे दामों में बेचता है। बरामद माल के आधार पर उक्त व्यक्ति के विरुद्ध कोतवाली कर्णप्रयाग में अभियोग मु0अ0सं0-57/23 धारा 8/21 एन0डी0पी0एस0 अधिनियम पंजीकृत किया गया। अभियुक्त के विरुद्ध पूर्व में भी थाना कर्णप्रयाग में अभियोग पंजीकृत हैं। अभियुक्त को मा0 न्यायालय में पेश अग्रिम विधिक कार्यवाही की जाएगी।

नाम पता अभियुक्त - आलोक थपलियाल पुत्र राजेंद्र प्रसाद थपलियाल निवासी वार्ड नंबर 7 द्रोणागिरी गौचर उम्र 31 वर्ष।पंजीकृत अभियोग- मु0अ0सं0-57/23 धारा 8/21 एन0डी0पी0एस0 अधिनियमआपराधिक इतिहास - मु0अ0सं0- 58/2022 धारा 8/21 एन0डी0पी0एस0 अधिनियम

पुलिस टीम-1- उ0नि0 मानवेंद्र सिंह गुसाई चौकी प्रभारी गौचर।2- हेड कांस्टेबल दीवान सिंह।3-जगमोहन सिंह रावत उकाडा सुरक्षाकर्मी गौचर।

आडिट टीम ने ग्राम पंचायत केदारावाला का निरीक्षण किया

विकासनगर। डिप्टी ऑडिटर जनरल अनुज कुमार शर्मा सीनियर ऑडिटर टीम के साथ ग्राम पंचायत एवं अन्य विभागों के अभिलेखों एवं योजनाओं का निरीक्षण करने ग्राम पंचायत केदारावाला पहुंचे। इस अवसर पर आम सभा आयोजित की गई। आम सभा में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, स्वयं सहायता समूह की महिलाओं, मनरेगा श्रमिकों एवं ग्रामवासियों ने भाग लिया। ग्राम प्रधान तबस्सुम इमरान ने ग्राम पंचायत में चल रही केंद्र सरकार व राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी दी। उसके बाद ग्राम प्रधान तबस्सुम इमरान ने जीपीडीपी के अंतर्गत ग्राम पंचायत में विभिन्न विभागों द्वारा ग्राम पंचायत के सहयोग से कराए गए विकास कार्यों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया की ग्राम पंचायत केदारावाला पूरे देश में मिशन अंतोदय सर्वे में आठवें पायदान पर है। एवं ग्राम पंचायत विकास योजना के मॉडल के रूप में कार्य कर रही है। ग्राम प्रधान तबस्सुम इमरान ने कहा कि ग्राम पंचायत केदारावाला में मनरेगा व पंचायत मद के युगपतिकरण से पंचायत घर, आंगनबाड़ी, बारात घर, सामुदायिक भवन आदि का निर्माण कराया गया है। ग्राम प्रधान ने बताया कि मनरेगा योजना के अंतर्गत ग्राम पंचायत की लगभग एक सौ बीघा बंजर भूमि को उपजाऊ बनाकर लेमन ग्रास की खेती की जा रही है। इससे ग्राम पंचायत की अपनी आय में भी वृद्धि होगी। टीम ने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत बनाए जा रहे आवास 15वें वित्त की धनराशी से बनाए गए शोखते गड्ढे, 2.5 किलोवाट के सोलर प्लांट, आंगनबाड़ी केंद्र, ओपन जिम, सरकारी स्कूल, मनरेगा योजना के अंतर्गत लेमन ग्रास, टाइल्स सडक़ों, प्रवेश द्वार निर्माण, बारह सौ मीटर ऑप्टिकल फाइबर, बिछाकर सीसीटीवी कैमरों का अपग्रेडेशन आदि का निरीक्षण किया।

दिव्य आध्यात्मिक महोत्सव में जुटे संत, महंत, मंत्री और विधायक

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिडला शामिल

परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती शामिल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ऋषिकेश, 27 दिसम्बर श्री हरिहर आश्रम, कनखल हरिद्वार में आयोजित तीन दिवसीय महोत्सव में जूना पीठाधीश्वर आचार्य स्वामी अवधेशानन्द गिरि जी, परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी, योगगुरू स्वामी रामदेव , रक्षा मंत्री भारत सरकार राजनाथ सिंह , लोकसभा अध्यक्ष ओम बिडला , निर्वाण पीठाधीश्वर आचार्य स्वामी विशोकानन्द , अटल पीठाधीश्वर आचार्य स्वामी विश्वात्मा नन्द , अध्यक्ष पतंजलि आयुर्वेद, सह संस्थापक पतंजलि योग पीठ ट्रस्ट, हरिद्वार, आचार्य बालकृष्ण , महासचिव, हिन्दू धर्म आचार्य सभा स्वामी परमात्मानन्द सरस्वती यतिश्वरानन्द और अन्य पूज्य संतो व विशिष्ट अतिथियों ने सहभाग किया

परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती ने जूना पीठाधीश्वर आचार्य स्वामी अवधेशानन्द गिरि महाराज के आचार्य महामंडलेश्वर के गरिमामय पद पर 25 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित तीन दिवसीय दिव्य आध्यात्मिक महोत्सव में सहभाग कर धर्म सभा को सम्बोधित किया।स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। स्वामी जी ने माननीय राजनाथ सिंह और ओम बिड़ला को हिमालय की हरित भेंट रूद्राक्ष का दिव्य पौधा भेंट किया।

दिव्य आध्यात्मिक महोत्सव में उपस्थित सभी को सम्बोधित करते हुये स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि प्रभु श्री राम तो हमारे आराध्य ही नहीं बल्कि भारत की आत्मा हैं और श्री राम मन्दिर केवल एक मन्दिर नहीं बल्कि राष्ट्र मन्दिर का द्योतक है। मर्यादापुरूषोत्तम भगवान श्री राम एक पूर्ण आदर्श चरित्र, धर्म के साक्षात दिव्य स्वरूप, अनन्त और अखंड प्रेम के प्रतीक, करूणा के मूर्धन्य स्वरूप है और वे करूणा के सागर भी हैं। उन्होंने न केवल दीन, दुःखियों की तकलीफ को समझा बल्कि उनके दुःखों को दूर करने के लिये स्वयं समर्पित हो गये। वे असहायों की सहायता के लिये हमेशा तैयार रहते थे, दुःखी व पीड़ितों, कमजोर एवं वंचित वर्गों को उनका अधिकार दिलाने एवं उनकी सहायता के लिये वे सदैव तत्पर रहे। चाहे शबरी हों, केवट हों, गीधराज हों या निषादराज हों, सभी को गले लगाया, प्रेम से झूठे बेर भी खाये। करूणा एवं त्याग की पराकाष्ठा तो देखिये पिता की आज्ञा का पालन करने के लिये सर्वस्व त्याग कर वनगमन किया, राजकुमार से वनवासी बन गये।

अब जो यह अवसर आया है यह 500 वर्षों की अथक तपस्या और हमारे पूर्वजों के बलिदान, परिश्रम और संघर्षों का सुखद परिणाम है, जो दर्शाता है कि यह सत्य और न्याय की जीत है। संविधान के माध्यम से समाधान, आस्थावानों की आस्था, बलिदानियों का बलिदान और सनातन संस्कृति को मानने वाले भक्तों की साधना रंग लायी, जिसके परिणामस्वरूप हम प्रभु श्री राम की जन्मभूमि अयोध्या की दिव्य भूमि पर ऐतिहासिक श्री राम मन्दिर निर्माण और उद्घाटन की बेला है। हम सौभाग्यशाली हैं कि प्रभु श्री राम हम सब के आराध्य हैं प्रभु श्री राम की शरण, उनके चरण एवं उनका आचरण हमारे जीवन का पाथेय बने, सम्बल बने।इस अवसर पर रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने सारगर्भित उद्बोधन दिया।

इस अवसर पर अनेक पूज्य संतों का पावन सान्निध्य प्राप्त हुआ साथ ही विश्व हिन्दू परिषद् के कार्यकारी अन्तर्राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक , सांसद, राज्यसभा एवं प्रवक्ता भाजपा, सुधांशु त्रिवेदी , वित्त, शहरी विकास, आवास व संसदीय कार्य मंत्री प्रेमचन्द्र अग्रवाल , विश्व हिन्दू परिषद् राष्ट्रीय संरक्षक दिनेश , पूर्व केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन राज्य मंत्री, डॉ. महेश शर्मा , संगीत सोम , उमेश शर्मा , विधायक प्रदीप बत्रा , सुदर्शन टीवी चैनल के सुरेश चौहान और अनेक विशिष्ट अतिथियों ने सहभाग किया।

रुड़की में आयोजित हुई विकसित भारत संकल्प यात्रा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

- यात्रा में महिलाएं ले रही बढ़चढ़ कर भाग
- मौके पर लोगों को दिया जा रहा योजनाओं का लाभ

हरिद्वार, 27 शहरी क्षेत्रों के अंतर्गत विकसित भारत संकल्प यात्रा सोमवार को रुड़की के रामपुर सब्जी मंडी और रेलवे स्टेशन पहुंची। इस कार्यक्रम में केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को संचालित कर रहे विभिन्न विभाग उपस्थित रहे। इन विभागों द्वारा कार्यक्रम में स्टॉल्स भी लगाए गए थे, जिससे लोग जन कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी ले कर लाभान्वित हो सकें।

दोनों स्थानों पर संकल्प यात्रा के दौरान लोगों ने विकसित भारत बनाने की शपथ भी ली। इस दौरान मौजूद लोगों को राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विकसित भारत को लेकर संबोधन सुनाया गया।दोनों स्थानों पर आयोजित संकल्प यात्रा कार्यक्रम में योजनाओं से वंचित कई लोगों को जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ा गया।

रामपुर सब्जी मंडी और रेलवे स्टेशन पर आयोजित विकसित भारत संकल्प यात्रा में मौजूद लोगों को भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने की शपथ भी दिलवाई गई। रेलवे स्टेशन पर मौजूद लोगों को सभासद श्री संजीव तोमर ने लोगों को ये शपथ दिलाई। ख़ास बात ये रही कि दोनों स्थानों पर महिलाओं की भागीदारी अधिक रही।

रेलवे स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम में कई विभागों के शिविर भी आयोजित किये गए।यहाँ आयोजित शिविर मे 35 लोगों की स्वास्थ्य सम्बन्धी जाँच की गई। पीएम स्वनिधि योजना का लाभ 12 लोगों को दिया गया।03 महिलाओं को उज्ज्वला योजना से जोड़ा गया। और 23 लोगों को आयुष्मान योजना से जोड़ा गया। इस दौरान महिलाओं को मुख्यमंत्री महालक्ष्मी किट भी वितरित की गई। कार्यक्रम में ज़िला उद्योग और समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों ने विभिन्न योजनाओं के बारे में लोगों को जानकारी दी। यात्रा कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कट आउट विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। इस कट आउट के साथ लोग यादगार के तौर पर तस्वीर भी ले रहे हैं। इसके अलावा कार्यक्रम में लोगों को भारत सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी से युक्त बुकलेट भी वितरित की जा रही हैं।

संक्षिप्त खबरें

एसएमसी सदस्यों को बताए गए अधिकार और कर्तव्य

विकासनगर। ब्लॉक क्षेत्र अंतर्गत मंगलवार से पांच केंद्रों पर विद्यालय प्रबंध समिति (एसएमसी) और विद्यालय विकास प्रबंधन समिति (एसएमडीसी) के सदस्यों का प्रशिक्षण शुरू हुआ। पहले दिन उन्हें विद्यालय की विभिन्न गतिविधियों के संबंध में अधिकार एवं कर्तव्य की जानकारी दी गई। बीईओ भुवनेश्वर प्रसाद ने कहा कि प्रत्येक स्कूल की प्रबंध समिति को प्रशिक्षित किया जाएगा। राजकीय इंटर कॉलेज हरबर्टपुर में धर्मावाला संकुल के विद्यालयों की प्रबंध समितियों के प्रशिक्षण के दौरान नोडल अधिकारी एवं प्रधानाचार्य अवनींद्र बड़थ्वाल ने बताया कि एसएमसी, एसएमडीसी में विद्यालय स्तर पर 10 से 12 लोगों की कार्यकारिणी होती है। इनके प्रशिक्षित नहीं होने से कार्यक्रम पारदर्शी ढंग से लागू नहीं हो पाते हैं। मास्टर ट्रेनर योगेश गुप्ता, केपी सती ने कहा कि विद्यालय में शिक्षक और छात्र-छात्राओं की उपस्थिति दुरुस्त रखना प्रबंध समिति की जिम्मेदारी है। नियमित रूप से बैठक कर इसकी समीक्षा की जाएगी। उपस्थिति 60 प्रतिशत से कम मिले तो अभिभावकों के साथ बैठक कर उनसे कारण जानें। छात्र-छात्राओं को यूनीफार्म, पाठ्य-पुस्तकें, जूता-मोजा, स्कूल बैग व स्वेटर का समय से वितरण हो तथा भुगतान की कार्रवाई नियमानुसार पूरी की जाए। इसके अलावा मेन्यू के अनुसार मध्यान्ह भोजन बनवाना भी प्रबंध समिति की जिम्मेदारी है। उन्होंने उपचारात्मक शिक्षण, खेलकूद सामग्री का वितरण, पुस्तकालय, रंगाई-पुताई आदि कार्यों के लिए प्रबंध समिति की जिम्मेदारी बताई। इस दौरान पूजा गुरेजा, संचिन कुमार, निर्मल शर्मा, संगीता आदि मौजूद रहे।

पिता-पुत्र सहित चार के खिलाफ मारपीट का मुकदमा

विकासनगर। कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत व्यासी बांध के समीप सिलौन में सोमवार को डाकपत्थर निवासी एक व्यक्ति के साथ पिता पुत्र सहित चार लोगों ने मारपीट की है। पुलिस को दी तहरीर में पीड़ित ने बताया कि आरोपियों ने उसकी पिटाई करने के साथ गाली गलौज की व जान से मारने की धमकी दी है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ मारपीट, गाली गलौज व जान से मारने की धमकी दी है। कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत डाकपत्थर निवासी हिमांशु तोमर पुत्र भरत सिंह तोमर ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 25 दिसंबर को करीब साढे बारह बजे व्यासी बांध के समीप सिलौन में चार लोगों ने उसके साथ मारपीट की है। बताया कि चारों आरोपियों राजेश चौहान पुत्र जवाहर सिंह चौहान, सुमित चौहान पुत्र राजेश चौहान, अमित चौहान पुत्र केदार सिंह चौहान व चालक सभी निवासी लोहारी ने मारपीट कर गाली गलौज किया व जान से मारने की धमकी दी। बताया कि मापीट में उसे बुरी तरह से घायल कर दिया। कोतवाल सूर्यभूषण सिंह नेगी ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ विभिन्न आपराधिक धाराओं में मुकदमा दर्ज कर दिया है। बताया कि आरोपियों के खिलाफ मुकदमे की जांच एसआई दीपेंद्र सिंह को सौंपी गई है।

समस्याओं का निस्तारण तहसील स्तर पर कराने की मांग

कोटद्वार। राष्ट्रीय राजमार्ग विरोध संघर्ष समिति ने कोटद्वार बाइपास प्रभावितों को मुआवजा दिलाने की प्रक्रिया की व्यवस्था तहसील स्तर पर कराने की मांग की है। कहा कि वर्तमान में प्रभावितों को मुआवजे के संबध में पौड़ी मुख्यालय जाना पड़ रहा है, जिसमें उनका धन और समय दोनों बर्बाद हो रहे हैं। मंगलवार को कोटद्वार बाइपास प्रभावित ग्रामीण समिति अध्यक्ष आशीष रावत के नेतृत्व में तहसील में एकत्रित हुए। तत्पश्चात उन्होंने उपजिलाधिकारी के माध्यम से जिलाधिकारी पौड़ी को ज्ञापन प्रेषित किया। ज्ञापन में कहा गया है कि वर्तमान में कोटद्वार के नाथूपुर, बिशनपुर, जीतपुर, रतनपुर व ग्रास्टनगंज के बाईपास प्रभावितों को भूमि का मुआवजा तय करने की प्रक्रिया गतिमान है। ग्रामीणों को इस कार्य के लिए पौड़ी मुख्यालय जाना पड़ रहा है।